Course – BA Education Hons part II
Paper – III (Educational Psychology & Pedagogy)
Topic – Intelligence
prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 4 : बुद्धि
Unit 4 : INTELLIGENCE

4.1 बुद्धि का अर्थ (Meaning of Intelligence) :-

बुद्धि का शाब्दिक अर्थ ज्ञान शक्ति तथा मेधा है। यह एक अनुमानित ज्ञान शक्ति है क्योंकि इसका ज्ञान प्रत्यक्ष रूप से नहीं होता बल्कि क्रियाओं या व्यवहारों के माध्यम से ही पाता है। जब कोई बालक अपने पाठ्य को अपने साथियों की अपेक्षा कम ही समय में याद कर लेता है तो वह अन्य बालकों से अधिक बुद्धिमान समझा जाता है। जो बालक अपने पाठ्य को देर से याद कर पाता है अथवा शिक्षक के प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाता है, वह निर्बल बुद्धि का समझा जाता है। इसी तरह भी व्यक्ति अपने समस्याओं का समाधान शीघ्र ही खोज लेता है तथा जटिल से जटिल वातावरण में भी अपने आपको समायोजित कर लेता है, उसे मेधावी या बुद्धिमान कहा जाता है। दैनिक जीवन के ऐसे निरीक्षणों से ज्ञात होता है कि बुद्धि एक ऐसी मानसिक क्षमता है, जिसकी अभिव्यक्ति जीवन के विभिन्न पहलुओं के संदर्भ में होती रहती है।

वेक्लर (Wechsler, 1944) के अनुसार,
"व्यक्ति के उद्देश्यपूर्ण कार्य करने, विवेकपूर्ण चिन्तन करने तथा अपने वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन करने की योग्यताओं की समग्रता ही बुद्धि है।"

4.2 बुद्धि के प्रकार (Types of Intelligence)

बुद्धि को निम्नलिखित तीन भागों में विभाजित किया गया है :—

(1) अमूर्त बुद्धि (Abstract Intelligence)
अमूर्त बुद्धि को सैद्धान्तिक बुद्धि भी

Scanned with CamScanner

कहते हैं। अमूर्त वस्तुओं के विषय में चिन्तन करने की क्षमता को ही अमूर्त बुद्धि कहते हैं। सभी व्यक्तियों में यह क्षमता समान नहीं होती। दार्शनिकों तथा कलाकारों में यह क्षमता अधिक देखी जाती है। वे प्रायः विचारों तथा प्रतिमाओं के विषय में ही सोचते हैं। इसी तरह आत्मा, परमात्मा, सत्य असत्य इत्यादि अमूर्त विषयों के सम्बन्ध में वे चिन्तन करते हैं। शिशु बालक में अमूर्त बुद्धि अधिक पाई जाती है वह प्रतीक के बल पर कठिन विषयों को भी जल्दी सीख लेते हैं।

(2) मूर्त बुद्धि :- (Concrete intelligence) :-

मूर्त बुद्धि को व्यावहारिक बुद्धि भी कहा जाता है। मूर्त वस्तुओं के विषय में सोचने तथा आवश्यकता के अनुसार उनमें परिवर्तन लाकर उपयोगी बनाने की योग्यता को ही मूर्त बुद्धि या व्यावहारिक बुद्धि कहते हैं। इस प्रकार की योग्यता एक कुशल कारीगर या इंजीनियर में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। वह न केवल लकड़ी, लोहा इत्यादि मूर्त वस्तुओं से सम्बन्ध रखता है बल्कि आवश्यकतानुसार उन्हें अधिक से अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास भी करता है।

(3) सामाजिक बुद्धि (Social Intelligence) :-

बुद्धि के तीसरे प्रकार को सामाजिक बुद्धि कहते हैं। इस प्रकार की बुद्धि राजनैतिक, धार्मिक या सामाजिक नेताओं में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। सामाजिक बुद्धि का तात्पर्य उस योग्यता से है जो व्यक्ति को विविध सामाजिक अभियोजनों में सहायता करती है। वास्तव में सामाजिक बुद्धि, व्यावहारिक बुद्धि का ही रूप है।

4.3 बुद्धि लब्धि (Intelligence Quotient) :-

बुद्धि मापने के लिए सबसे पहला बुद्धि परीक्षण बिने (Binet) तथा साइमन (Simon) ने 1905 में विकसित किया। इस परीक्षण में बुद्धि को मानसिक आयु के रूप में मापकर अभिव्यक्त किया गया। परन्तु मनोवैज्ञानिकों को इससे अधिक संतुष्टि नहीं मिली। 1916 में टरमैन (Terman) ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में बिने साइमन परीक्षण में संशोधन किया। इसी संशोधन में बुद्धि लब्धि (IQ) संप्रत्यय का जन्म हुआ और बुद्धि को मापने में मानसिक आयु की जगह बुद्धि लब्धि (IQ) का प्रयोग होने लगा।

बुद्धि लब्धि (IQ) मानसिक आयु तथा

तथा वैधिक आयु (chronological age) का एक ऐसा अनुपात है जिसमें 100 से गुणा कर प्राप्त किया जाता है। यही कारण है कि इसे अनुपात बुद्धि लब्धि (ratio IQ) भी कहा जाता है।

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वैधिक आयु}} \times 100$$

$$= \frac{MA}{CA} \times 100$$

उदाहरणस्वरूप मान लिया जाए कि किसी बुद्धि परीक्षण द्वारा मापने पर 6 साल के बच्चे की मानसिक आयु (mental age) 5 साल का आता है और एक 4 साल के बच्चे की मानसिक उम्र 5 साल का आता है तो पहले बच्चे की बुद्धि लब्धि $\frac{5}{6} \times 100 = 83$ आएगा तथा दूसरे बच्चे की बुद्धि लब्धि $\frac{5}{4} \times 100 = 125$ आएगा। स्पष्टतः दूसरा बच्चा पहले बच्चे से बुद्धि में अधिक प्रखर है।

बुद्धि लब्धि के मान तथा उनके अर्थ

बुद्धि लब्धि के मान (value of IQ)	अर्थ (Meaning)
140 या इससे अधिक	प्रतिभाशाली
120 से 139 तक	अति श्रेष्ठ
110 से 119 तक	श्रेष्ठ
90 से 109 तक	सामान्य
80 से 89 तक	मन्द
70 से 79 तक	सीमांत मन्द बुद्धि
60 से 69 तक	मूढ़ बुद्धि
20 से 59 तक	हीन बुद्धि
20 या इससे कम बुद्धि	जड़ बुद्धि

Scanned with CamScanner

4.4 बुद्धि को प्रभावित करने वाले कारक (Factors influencing Intelligence)

बुद्धि विकास पर कई तत्वों या कारकों का प्रभाव पड़ता है।

(1) आनुवंशिकता या वंश परम्परा :-

बुद्धि विकास पर सबसे अधिक वंश परम्परा का प्रभाव पड़ता है। बुद्धि एक मानसिक योग्यता है जो प्रधानतः जन्मजात होती है। वातावरण बच्चों की इस जन्मजात योग्यता के स्वाभाविक विकास में मात्र सहायक होता है। स्पीयरमैन ने भी बुद्धि के स्वरूप की चर्चा करते हुए कहा कि बुद्धि मुख्यतः जन्मजात होती है। इस संदर्भ में किए गए अध्ययनों से यह भी ज्ञात होता है कि बुद्धिमान माता-पिता के बच्चे बुद्धिमान तथा मन्द बुद्धि के माता-पिता के बच्चे मन्द बुद्धि के होते हैं। हमारे दैनिक जीवन के निरीक्षण भी इस बात के साक्षी हैं।

(2) वातावरण (Environment) :-

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से बुद्धि विकास पर वातावरण के प्रभाव का अध्ययन काफी महत्वपूर्ण है। बुद्धि परीक्षणों के आधार पर देखा गया है कि आरम्भ से ही बच्चों को उपयुक्त मानसिक वातावरण में रखा जाए तो उनकी बुद्धि में उत्तरोत्तर विकास होता रहता है। एक गणितज्ञ का लड़का यद्यपि मौलिक रूप से गणित में कोई रुझान नहीं रखता हो, किन्तु इस विशेष वातावरण में रहने के कारण उसे गणित सीखने के अच्छे अवसर अवश्य प्राप्त होंगे। इस प्रकार किसी जन्मजात योग्यता को समुचित रूप से विकसित होने के लिए उपयुक्त वातावरण अनिवार्य है। शिक्षा का उद्देश्य मात्र इतना है कि बालकों की जन्मजात योग्यताओं को स्वस्थ रूप से विकसित होने में मदद करना। इसलिए शिक्षक का यह दायित्व है कि वह बालकों की जन्मजात योग्यताओं के समुचित विकास के लिए एक उपयुक्त वातावरण पैदा करे और इस विकास में जो बाधाएँ उत्पन्न हों उन्हें दूर करे। प्रयोगात्मक अध्ययन एवं दैनिक जीवन के निरीक्षण से यह सिद्ध होता है कि बुद्धि विकास पर वातावरण का प्रभाव पड़ता है।

4.5 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise) :-

(1) Define Intelligence. Describe the types of Intelligence.
बुद्धि को परिभाषित करें। बुद्धि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

(2) Describe the Intelligence Quotient.
बुद्धि लब्धि का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner